

হাবীর । তেওরা

আর কত দূরে আছে সে আনন্দধাম ।
 আমি শ্রান্ত, আমি অন্ধ, আমি পথ নাহি জানি ॥
 রবি যায় অস্তাচলে আঁধারে ঢাকে ধরণী—
 করো কৃপা অনাথে হে বিশ্বজনজননী ॥
 অতৃপ্ত বাসনা লাগি ফিরিয়াছি পথে পথে—
 বৃথা খেলা, বৃথা মেলা, বৃথা বেলা গেল বহে ।
 আজি সন্ধ্যাসমীরণে
 লহো শান্তিনিকেতনে,
 স্নেহকরপরশনে চিরশান্তি দেহো আনি ॥

II { ^১ধা পঙ্গা -পা | ^২মা -গা | ^৩মা -া | ^১না ধা -া | ^২ধা -নধা | ^৩না সী | I
 আ র • • ক • ত • দূ রে • আ • • ছে সে

I সঁরা সী -নসী | ধা -পা | ক্ষপা -ধনা } I ধা পা -ার | রা -া | গমা -পা I
 আ ন • ন্দ দ • ধী • • ম্ আ মি • আ ন্ ত • •

I মা গা -মা | রা -া | সা -া | I সা মা -গ | পা -ক্ষ | পা -া | I
 আ মি • অ ন্ ধ • আ মি • প • ধ •

I না -ধা সী | না -না | ধপা -ক্ষপা II
 না • ছি জা • নি • •

-া -া | -া -া II { পা ধা -পা | সী -া | -া সী I সঁসী -া -া | সী -া | সী -া I
 • • • • র বি • বা • র্, অস্ তা • • চ • লে •

I সী সী -ধা | সী -১ | সী রা I সী সী -১ | সী -ধা | -না -পা } I
আ ধা • রে • ঢা কে ধ র • নী • • •

I পধা পা -১ | রা -১ | গমা -পা I মা গা -মা | রা -১ | -সা -১ I
ক রো • ক • পা • • অ না • থে • • •

I সা সা -১ | মা -১ | পা -১ I না ধা -সী | না -না | ধপা -সপা II
হে বি শ্, শ • জ • ন জ • ন • নী • •

-১ -১ | -১ -১ II { সা সা -১ | মা -১ | মা -১ I মা মা -১ | পা -১ | ধপা -১ I
• • • • অ ত্ প্, ত • বা • স না • লা • গি •

I পা না -১ | না -১ | না -১ I ধা পা -১ | পা -১ | ধপা -১ I
কি রি • স্না • ছি • প থে • প • থে •

I মা মা -১ | মা -১ | ধধা -১ I পা মা -গমা | রা -১ | সা -১ I
ব্ ধা • থে • লা • ব্ ধা • • মে • লা •

I সা সা -১ | মা -১ | রা -১ I সা মা -গা | পা -১ | ধপা -১ } I
ব্ ধা • বে • লা • গৈ ল • ব • হে •

I { পা ধা -পা | সী -১ | সী -১ I রসী সী -১ | সী -১ | সী -১ I
আ জি • স ন্, ধা • স যী • র • থে •

I সী সী -ধা | সী -১ | | সী রা -১ I সী না -ধা | ধনা -ধা | পা -১ } I
ল হো • শা ন্, তি • নি কে • ত • নে •

I ধা পা -র | রা -ৱ | গমা -পা I মা গা -মা | রা -প | সা। -ৱ I
বে হ • ক • র • • গ র • শ • নে •

I সা মা -গা | পা -ক | পা -ৱ I না ধা র্শা | না -না | ঙপা -কপা II II
চি র • শা ন্ তি • দে • হো আ • নি ••